

IS 11082: 2024 Agricultural Tractors for Use in Wet Land Cultivation — Technical Requirements (First Revision)

Wet land cultivation, popularly known as puddling, is an important tillage operation in cultivation of transplanted paddy. The agricultural tractors are increasingly used for wet land cultivation and the success of mechanized paddy cultivation with these tractors depends upon efficiency of waterproofing functions of critical assemblies. This standard was published in 1984 under the title 'Agricultural tractors for wet land cultivation — Technical requirements' to provide guidance to the manufacturers as well as users.

The revision of this standard incorporates water proofing test to measure the suitability of tractor for wetland cultivation. Apart from this, the standard has been brought out in the latest style and format of Indian Standards and reference of the Indian Standards wherever applicable have been updated.

This standard specifies the technical requirements for the use of agricultural tractors in wetland cultivation (puddling operation) and also covers the water proofing test.

IS 11082: 2024 गीली भूमि पर खेती में उपयोग के लिए कृषि ट्रैक्टर — तकनीकी अपेक्षाएँ (पहला पुनरीक्षण)

गीली भूमि पर खेती, जिसे लोकप्रिय रूप से पडलिंग के रूप में जाना जाता है, रोपाई वाले धान की खेती में एक महत्वपूर्ण जुताई कार्य है। गीली भूमि पर खेती के लिए कृषि ट्रैक्टरों का उपयोग तेजी से किया जा रहा है और इन ट्रैक्टरों के साथ मशीनीकृत धान की खेती की सफलता महत्वपूर्ण संयोजनों के जलरोधी कार्यों की दक्षता पर निर्भर करती है। यह मानक निर्माताओं और उपयोगकर्ताओं को मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए 1984 में 'गीली भूमि पर खेती के लिए कृषि ट्रैक्टर – तकनीकी आवश्यकताएँ' शीर्षक के तहत प्रकाशित किया गया था।

इस मानक के संशोधन में गीली भूमि पर खेती के लिए ट्रैक्टर की उपयुक्तता को मापने के लिए जलरोधक परीक्षण शामिल है। इसके अलावा, मानक को भारतीय मानकों की नवीनतम शैली और प्रारूप में लाया गया है और जहां भी लागू हो, भारतीय मानकों के संदर्भ को अद्यतन किया गया है।

यह मानक गीली भूमि पर खेती (पडलिंग ऑपरेशन) में कृषि ट्रैक्टरों के उपयोग के लिए तकनीकी आवश्यकताओं को निर्दिष्ट करता है और जलरोधक परीक्षण को भी कवर करता है।